तर्ज--आपके पहलू में आ के रो दिये

खेल मे ऐसे पिया हम खो गये
अन्जाने से आपसे क्यूं हो गये

1--झूठ को अपना के बैठे हम यहां
आपको देखा ना हमने क्यूं पिया
ऐसे बेगाने से हम क्यूं हो गये

2--खोल खजाना आपने सब दे दिया
जितना कहना था पिया सब कह दिया
दोष हमारा ही है हम ना ले रहे

3--खेल देखा अब तो ये जाता नही
छोड़ना भी चाह रहे छूटता नही
ऐसी उलझन मे पिया हम पड़ गये

Nijanand App